English

Koyi chehra mitaa ke
Or aankh se hata ke
Chand chhinte udaa ke jo gya
Chhapaak se pehchaan lai gya..

Ek chehra gira
Jese mohra gira
Jese dhoop ko grahan lag gaya
Chhapaak se pehchaan lai gaya..

Naa chaah, Naa chaahat koyi
Naa koyi aesa vaada..Haa

Naa chaah, Naa chaahat koyi
Naa koyi aesa vaada..
Haath mein andhera
Or aankh mein iraada..

Koyi chehra mitaa ke
Or aankh se hata ke
Chand chhinte udaa ke jo gya
Chhapaak se pehchaan lai gya..

Ek chehra gira
Jese mohra gira
Jese dhoop ko grahan lag gya
Chhapaak se pehchaan lai gya..

Bemaani sa junoon thaa
Bin aag ke dhuaa
Bemaani sa junoon thaa
Bin aag ke dhuaa
Na hosh, na khayal
Soch andhaa kuaa..

Koyi chehra mitaa ke
Or aankh se hata ke
Chand chhinte udaa ke jo gaya
Chhapaak se pehchaan lai gaya..

Ek chehra gira
Jese mohra gira
Jese dhoop ko grahan lag gya
Chhapaak se aeee.. pehchaan lai gya..

Aaaaaaaa.. Aaaaaaaaa

Aarzu thi shonk thai, Vo saare hat gaye
Kitne saare jeene ke dhaage kat gaye..
Aarzu thi shonk thai, woh saare hat gaye
Kitne saare jeene ke dhaage kat gaye..

Sab jhoolas gaya

Koyi chehra mitaa ke...

Ek chehra gira
Jese mohra gira
Jese dhoop ko grahan lag gya
Chhapaak se pehchaan lai gya..
Chhapaak se pehchaan lai gya..
Pehchaan lai gaya
Pehchaan lai gaya

Lyrics Written by:

Gulzar

Hindi

कोई चेहरा मिटा के
और आँख से हटा के
चंद छींटे उड़ा के जो गया
छपाक से पहचान ले गया..
एक चेहरा गिरा
जैसे मोहरा गिरा
जैसे धुप को ग्रहण लग गया
छपाक से पहचान ले गया..
ना चाह, ना चाहत कोई
ना कोई ऐसा वादा..हां
ना चाह, ना चाहत कोई
ना कोई ऐसा वादा..
हाथ में अँधेरा
और आँख में इरादा..
कोई चेहरा मिटा के
और आँख से हटा के
चंद छींटे उड़ा के जो गया
छपाक से पहचान ले गया..
एक चेहरा गिरा
जैसे मोहरा गिरा
जैसे धुप को ग्रहण लग गया
छपाक से पहचान ले गया..
बेमानी सा जूनून था
बिन आग के धुआँ
बेमानी सा जूनून था
बिन आग के धुँआ
ना होश, ना ख्याल
सोच अंधा कुआं..
कोई चेहरा मिटा के
और आँख से हटा के
चंद छींटे उड़ा के जो गया
छपाक से पहचान ले गया..
एक चेहरा गिरा
जैसे मोहरा गिरा

जैसे धुप को ग्रहण लग गया
छुपाक से ऐऐऐऐऐ... पहचान ले गया..
आआआआ.. आआआआआआ
आरज़ू थी शौंक थे, वो सारे हट गए
कितने सारे जीने के धागे कट गए..
आरज़ू थी शौंक थे, वो सारे हट गए
कितने सारे जीने के धागे कट गए..
सब झुलस गया
कोई चेहरा मिटा के...
एक चेहरा गिरा
जैसे मोहरा गिरा
जैसे धुप को ग्रहण लग गया
छुपाक से पहचान ले गया..
छुपाक से पहचान ले गया..
पहचान ले गया
पहचान ले गया
Lyrics Written by:
गुलज़ार